भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 285

21 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वास्थ्य अनुसंधान हेतु धनराशि का आवंटन

285. श्री नीरज शेखर:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए राज्य-वार आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ख) देश में स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए संचालित की जा रही योजनाओं का, उनके लिए गत तीन वर्षों तथा चालू वर्ष में आज की तिथि तक आवंटित एवं उपयोग की गई निधियों सहित, योजना-वार तथा वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए निधियों का राज्य-वार आबंटन नहीं करता है। विभाग द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाएं केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं हैं। तथापि, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के संबंध में पिछले तीन वर्षों के लिए धनराशि का आवंटन और उपयोग निम्नानुसार है -

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	2892.83	2857.47
2024-25	3391.64	3324.14
2025-26	3927.64	3924.36
2026-27 (बजट अनुमान)	4821.21	1503.21 (20.07.2026 तक)

(ख): स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग देश में स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित योजनाएं/कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है -

1. स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास:

केंद्रीय क्षेत्र की इस व्यापक योजना में दो उप-योजनाएं हैं, नामतः

(i) मेडिकल कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों में बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों (एमआरयू) की स्थापना; तथा

(ii) आईसीएमआर संस्थानों के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) की स्थापना।

वर्ष-वार वित्तीय विवरण इस प्रकार हैं:

(i) बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों के लिए धनराशि का आवंटन:

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	50.00	50.00
2024-25	61.99	61.99
2025-26	90.80	90.80
2026-27 (बजट अनुमान)	100.27	21.11 (08.07.2026 तक)

(ii) मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों के लिए धनराशि का आवंटन**:**

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	20.00	19.12
2024-25	18.01	18.01
2025-26	84.20	84.20
2026-27(बजट अनुमान)	71.08	22.46 (08.07.2026 तक)

2. स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन और क्षमता विकास (एचआरसीडी) योजना:

केंद्रीय क्षेत्र की इस व्यापक योजना में चार उप-योजनाएं हैं, नामतः

(i) स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए मानव संसाधन विकास (एचआरडी)

(ii) स्वास्थ्य अनुसंधान पर अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण और संवर्धन एवं मार्गदर्शन के लिए अनुदान सहायता योजना

(iii) स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन (एचटीए) और

(iv) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

मानव संसाधन विकास का उद्देश्य छात्रवृत्ति, अध्येतावृत्तियों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर में स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए संकाय, बायोमेडिकल छात्रों और अन्य वैज्ञानिकों के लिए प्रशिक्षित कार्मिकों

की समग्र उपलब्धता में वृद्धि करना है। इसमें अल्पकालिक छात्रत्व, स्नातकोत्तर थीसिस सहायता, विदेशी फैलोशिप, पीएचडी फेलोशिप, कार्यशाला वित्त पोषण अनुदान, महिला वैज्ञानिक कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान आदि जैसे विभिन्न घटक हैं। जीआईए उप-योजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों/संगठनों को शामिल करते हुए सहयोगी स्वास्थ्य अनुसंधान परियोजनाओं का समर्थन करना है। एचटीए ने लागत-प्रभावशीलता अध्ययनों के माध्यम से आयुष्मान भारत कार्यक्रम सहित राज्य और केंद्र सरकार के कार्यक्रमों में सस्ती सुलभ स्वास्थ्य देखभाल हस्तक्षेपों को बढ़ाने में सहायता की है। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और चिकित्सकों को वैश्विक विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और स्वास्थ्य अनुसंधान और नीति के लिए नवीन दृष्टिकोण का सह-निर्माण करने में सक्षम बनाना है।

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	87.80	82.27
2024-25	124.71	124.06
2025-26	161.675 (पुनर्विनियोग पश्चात)	161.21
2026-27 (बजट अनुमान)	105.00	12.98 (08.07.2026 तक)

3. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम):

देश को सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई और उभरती बीमारियों से निपटने हेतु तैयार करने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ स्वास्थ्य प्रणालियों और संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के लिए 2021 में पीएम-एबीएचआईएम को लॉन्च किया गया था ताकि उन्हें वर्तमान और भविष्य की महामारियों/आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तैयार किया जा सके। डीएचआर को पीएम एबीएचआईएम योजना के तहत जैव-सुरक्षा तैयारियों और महामारी अनुसंधान और बहु-क्षेत्रीय राष्ट्रीय संस्थानों और वन हेल्थ के लिए प्लेटफार्मों को सुदृढ़ करने के घटक भी आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, डीएचआर ने 2023-24 से राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन के लिए एकीकृत रोग नियंत्रण और महामारी की तैयारियों की दिशा में अनुसंधान और विकास को सुदृढ़ करने के लिए एक कार्यक्रम भी लागू किया है। कार्यक्रम के घटकों में सभी क्षेत्रों में एकीकृत रोग निगरानी के लिए रूपरेखा, चिकित्सा काउंटर उपायों में तेजी लाने के लिए लक्षित अनुसंधान एवं विकास, डेटा एकीकरण और क्षमता निर्माण शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	324.36	254.43
2024-25	187.22	181.15
2025-26	310.445 (पुनर्विनियोग पश्चात)	309.64
2026-27 (बजट अनुमान)	351.06	17.09 (08.07.2026 तक)

4. महामारी और राष्ट्रीय आपदाओं के प्रबंधन के लिए प्रयोगशालाओं के एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क (वीआरडीएल योजना) की स्थापना और सुदृढ़ीकरण:

इस योजना का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्व के वायरल और अन्य संक्रामक रोगों के समय पर निदान और निगरानी के लिए प्रयोगशालाओं का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करना और सुदृढ़ करना, प्रकोप की जांच में सहायता करना, महामारी से निपटने की तैयारी और प्रतिक्रिया को सुगठित करना और देश में प्रयोगशाला क्षमता और अनुसंधान को बढ़ाना है।

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	60.00	60.00
2024-25	60.99	60.99
2025-26	57.24	57.24
2026-27 (बजट अनुमान)	70.00	4.95 (15.07.2026 तक)

5. महामारी और उसके प्रसार को रोकने के लिए उपकरणों/सहायता का विकास:

इस योजना का उद्देश्य महामारी और उसके प्रसार की रोकथाम करना, महामारी की शीघ्र पहचान करना, उसकी निगरानी और नियंत्रण के लिए निदान, प्रौद्योगिकियों और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य उपकरणों के अनुसंधान और विकास का समर्थन करना है, जिससे उभरते और पुनः उभरने वाले संक्रामक रोगों के लिए देश की तैयारी और प्रतिक्रिया को सुदृढ़ किया जा सके।

वित्तीय वर्ष	**आवंटन (₹ करोड़ में)**	**व्यय (₹ करोड़ में)**
2023-24	10.00	10.00
2024-25	8.00	8.00
2025-26	3.67	3.67
2026-27	-	-

*****